प्राकृतिक योग
एवं
पंचकर्म चिकित्सा
द्वारा सम्पूर्ण स्वास्थ्य

आरोग्यम्

www.naturecureyogaaarogyam
www.aarogyam.org

पारसनगर नगपुरा, जिला दुर्ग छ.ग.
दूरभाष: 0788-2621209,8839328101

..संचालित...

श्री लब्धि विक्रम राज आरोग्यम् संस्थान

Regd No. U85OCT2011NPL022450

अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक योग पंचकर्म एक्युप्रेशर सुविधाएं उपलब्ध है।
पवित्र स्वास्थ्य एवं निरोगी जीवन तभी संभव है
जब हम स्वास्थ्य के नियमों को समझे जाने और उसका पालन करें।

प्रकृति के रमणीय वातावरण में दुर्ग से 14 कि.मी. दूर खैरागढ़ रोड़ पर,पारसनगर नगपुरा में श्री पार्श्व प्रभु के प्राचीन तीर्थ की पवित्र छत्रछाया है। तीर्थ परिसर में 100 बिस्तर वाला आरोग्यम प्राकृतिक एवं योग चिकित्सालय स्थापित है। यहाँ शरीर शुद्धि, वायु चिकित्सा, सूर्य, मिट्टी, जल एवं आहार साधनाओं द्वारा, उदास,निराश हताश भी खिलखिलाते हँसते गाते-गुनगुनाते, चमकीले चेहरे लेकर तथा नया जोश, उमंग, तरंग उत्साह से नई ऊर्जा के साथ जाते हैं। समस्त बीमारियों चाहे कितनी भी पुरानी हो जो दवाओं से ठीक नहीं हो पाती है , वह भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में वर्णित मार्गदर्शन को आस्था एवं विश्वास के साथ अपनाने से समग्र एवं सम्पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

प्रकृति के संग चले जीवन के रंग खिले

मधुमेह, सिरदर्द, रक्त की कमी, मोटापा, लकवा, टीबी.,लीवर के रोग, दुर्बलता, वात, पित्त, कफ के रोग, खांसी , बुखार, दमा, जुकाम, नाक-कान गले के रोग, गैस, पेशाब के रोग, स्त्री रोग, बाल रोग, ब्लड प्रेशर, जोड़ो का दर्द, प्रदर रोग गर्भाशय के गुप्त रोग, बवासीर, मुहॉसे, चर्मरोग, एसीडीटी आदि निश्चित ही ठीक होते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा वस्तुत: तत्व चिकित्सा है जिसका शाब्दिक अर्थ है छ: तत्वो द्वारा त्रितापों अधिदैविक आर्थिक, भौतिक तथा अध्यात्मिक जिनमें शरीर रोग शामिल है की चिकित्सा अर्थात परमात्मा, आकाशतत्व, अग्नितत्व, जलतत्व, पृथ्वीतत्व, एवं वाष्पतत्व प्राणायामों के योग से सर्वप्रकार के रोगों का निवारण होता है। आज विश्व में औषधीय विज्ञान का बोल बाला बढ़ता चला जा रहा है अब कोई सोच भी नही सकता कि इस शरीर रूपी मशीन को किसी औषधी की नही वरन् शुद्ध भावनाओं की आवश्यकता है। इन पंच तत्वों में भावनाओं को पकड़ने की अद्भूत शक्ति है। ऋषि मुनि हाथ में जल लेकर ही श्राप दिया करते थे भागवान के प्रक्षाल के जल के द्वारा ही हम भावनाओ द्वारा प्रार्थना सें जो चाहें प्राप्त करते हैं। प्रभु ने प्राण के सुत्र में ही देह पिरोई है, इसी में मन पिरोया है प्राण, की डोर से ही अपने अस्तित्व के सभी घटक गुथे है। इस डोर के टूटते ही सब कुछ बिखर जाता है। प्राण की इस डोर का परिचय आती जाती श्वास से मिलता है देह या मन के बनने बिगड़ने की स्थिति के अनुसार श्वास प्रश्वास की लय भी बनती बिगड़ती है। देह और मन में यदि व्याधि-विकार हो तो श्वास की लय भी उखड़ बिगड़ जाती है। इसके विपरीत यदि शरीर व मन की स्थिति विकार रहित हो तो श्वास की लय ब्रम्हाँजली में ब्रह्म मुहर्त में अपने आराध्य के दर्शन करते हुए मुलाधार स्वाधिष्ठान् मणीपुर अनाहद एवं विशुद्ध चक्रशुद्धि प्राणायाम की आराधना करते है वे निश्चय ही प्राणपति बन जाते है कभी बुढ़ापा नही आता इच्छा मृत्यु प्राप्त करते वे निश्चय ही प्राणपति बन जाते है ।

आरोग्यम्-अनुशासन

अनुशासनबद्धता, शांतिप्रियता आरोग्यम् की अनिवार्य अर्हता है. जिसके अनुपालन की घोषणा आपके लिए प्रथम आवश्यक है .

1. आपका उपचार चिकित्सक की देखरेख में ही होगा। चिकित्सक द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालनअनिवार्य होगा। अपनी मर्जी से कोई भी उपचार आप नहीं लेंगे। यदि आप कोताही बरतते हैं, चिकित्सक की जानकारी के अभाव में कोई भी काम करते हैं तो विपरीत परिणामों के लिए आरोग्यम् प्रबंधन, इसके चिकित्सक, कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे।
2. 7 दिन या जितने दिन का उपचार चिकित्सक श्री के निर्देश पर लेना है उसके शुल्क की जानकारी प्राप्त करके सम्पूर्ण अग्रिम जमा करके रसीद प्राप्त कर लेवें। यह स्पष्ट जाने कि नेचरोपेथी,फिजियोथेरेपी,पंचकर्म का शुल्क अलग-अलग है जिसकी जानकारी कार्यालय से प्राप्त कर एडवांस जमा करके ही चिकित्सक के परामर्श से उपचार लिया जा सकता है।
3. प्रवेश के समय आपको एक किट दिया जायेगा। जिसमें आपके लिए 7 दिनों के उपचार हेतु ,1 एनिमा पाईप, 1 नेती लोटा, 1 पट्टी, 2 आई केप, 1 टॉक्सीन क्लीनर प्राप्त कर सुनिश्चित कर लें। बाद में सुनवाई नहीं होगी।
4. अपने साथ बिछाने की चादर 2 नग, ओढने की चादर/कम्बल, टावेल 2 नग, हैण्ड टावल 2 नग, पहनने के पर्याप्त एवं मर्यादित कपडे, रोजाना की आवश्यक दवाईयाँ जो पहले से ले रहे हैं वह, ऑल आउट आदि आवश्यक सामान साथ लेकर आएँ।
5. आपकी सेहत के अनुसार जो आहार तथा आहार की मात्रा चिकित्सक द्वारा तय की गई है वही आहार समयानुसार उपलब्ध होगा। बाहर से या आगन्तुकों से या मिलने आने वालों से खाद्य-पेय पदार्थ मांगना/मंगाना/प्राप्त करना सेवन करना पूर्णतः वर्जित होगा। साधक के साथ आने वाले के भोजन की व्यवस्था स्वयं को करना होगा आरोग्यम् में सहायक के लिए आहार प्रबंध नहीं होगा।
6. आपको जो कक्ष आबंटित किया गया है उसमें ही रहना होगा। मर्जी से कक्ष परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।
7. यदि आप उपचार बीच में अधुरा छोडकर जाते हैं या आपके अभद्र व्यवहार अनुशासन हीनता आदि अप्रिय अवांछित हरकतों के कारण आरोग्यम् प्रबंधन द्वारा आपको लौटाया जाता है तो जमा राशि वापस नहीं की जायेगी और न ही आगे के लिए जमा की जायेगी और न ही दूसरे के उपचार में समायोजित की जायेगी।
8. यदि आप नियत अवधि के बाद भी तत्काल उपचार की तारीख आगे बढाते हैं तो इसका निर्णय कार्यालय प्रबंधन करेगा। कोई बुकिंग नहीं होने तथा रुम खाली होने पर ही आगे प्रवेश दिया जा सकेगा। अन्यथा वापस नई तारीख लेकर आना होगा।
9. कपडे धोने के लिए सशुल्क धोबी की व्यवस्था है। शुल्क की जानकारी कार्यालय से प्राप्त करें और आवश्यकता होने पर आप अपनी जवाबदारी से, अपनी गारंटी से अपने कपडे धोबी को देंगे और वापस प्राप्त करेंगे। कपडे खराब होने, गुम जाने के लिए आरोग्यम् प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा। किसी भी कर्मचारी को, उपचारक को पैसे देकर काम करवाना कपडे धुलवाना, गिफ्ट देना पूर्णतः वर्जित है।
10. दूसरे साधकों ,उपचारकों,कर्मचारियों,व्यक्तियों से किसी भी प्रकार का हँसी मजाक करना बातचीत करना, लेनदेन करना, व्यवहार बनाना, मित्रता करना, भरोसा करना, परिचय बनाना, संबंध बनाना,बिजनेस करना आदि समस्त व्यवहार आपकी निजी जिम्मेदारी होगी। इससे हुए किसी भी प्रकार के अप्रिय, अवांछित स्थिति, शारीरिक-मानसिक-आर्थिक क्षति के लिए आरोग्यम् प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा।

11. आरोग्यम् परिसर में शराब, तम्बाकू, सिगरेट, नॉन-वेज, बाहर का खाद्य-पेय, जुआ खेलना, म्यूजिक, शोरगुल, मोबाइल का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है।

12. अपने साथ कीमती सामान, अनावश्यक नगदी आदि लेकर न आएँ। किसी भी प्रकार की हानि के लिए आरोग्यम् प्रबंधन या , इसका स्टाफ जवाबदार नहीं होंगे।

13. आरोग्यम् आना, आरोग्यम् से जाना आपके निजी व्यवस्था और जिम्मेदारी से करना होगा।

14. अपने परिचितों, रिश्तेदारों, मेहमानों से मिलने का समय शाम 5.30 से 6.30 बजे है। उनसे आपके कक्ष में मिलना वर्जित है। आपके परिचितों, रिश्तेदारों, मेहमानों को आरोग्यम् प्रबंधन या इसके स्टाफ नहीं जानते हैं। आप किनसे मिल रहे हैं, क्या बात कर रहे हैं ये आपकी अपनी वैधानिकता और नैतिक जिम्मेदारी होगी। आपसे मिलने आने वाले परिचितों, रिश्तदारों, मेहमानों के पास उनके आधार कार्ड की सत्य प्रतिलिपि होना अनिवार्य है। जिसे वो कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे इसके आधार पर कार्यालय आपसे संपर्क करके आगंतुक के विषय में बताएगा आपकी सहमति होने पर ही वो प्रवेश पत्र प्राप्त करके आपसे मिलने प्रवेश करेंगे और अतिथि कक्ष में ही मिल सकेंगे।

15. अपने मोबाइल का प्रयोग रात्रि 8.30 से 9.00 के दरम्यान ही किया जा सकता है। इसके अलावा करता पाया जाने पर डिस्चार्ज होने तक के लिए जप्त कर लिया जायेगा। मोबाइल पर किनसे बात कर रहे हैं , क्या बात कर रहे हैं, क्या योजना बना रहे हैं आदि तमाम बातों के लिए आरोग्यम् प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा।

16. आरोग्यम् में प्रवेश इच्छुक साधक को सहमति के साथ घोषणा पत्र देना अनिवार्य है।

आरोग्यम् नगपुरा

समय-सारिणी

सुबह 4.45 से 7.30 बजे	-	प्राणायाम, योगाभ्यास,षटक्रिया
सुबह 7.45 से 8.15 बजे	-	नाश्ता
सुबह 8.45 से 12.00 बजे	-	परामर्श प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी,पंचकर्म चिकित्सा उपचार
दोप. 12.00 से 1.00 बजे	-	भोजन
दोप. 1.00 से 2.00 बजे	-	विश्राम
दोप. 2.15 से 2.30 बजे	-	रसाहार
दोप. 2.30 से 4.45 बजे	-	परामर्श प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी,पंचकर्म चिकित्सा उपचार
शाम 5.00 से 5.30 बजे	-	भोजन
शाम 5.30 से 6.30 बजे	-	वार्किंग (आगंतुक से मुलाकात)
शाम 6.30 से 7.30 बजे	-	संगोष्ठी
शाम 7.30 से 8.30 बजे	-	बी.पी. चेक अप, रात्रिकालीन उपचार
रात्रि 9.00 बजे	-	विश्राम

नोट :- आरोग्यम् साधक को संध्या भ्रमण हेतु तीर्थंकर उद्यान क्षेत्र में ही जाने की अनुमति है। मुख्य सड़क या अन्यत्र भ्रमण करने पर किसी भी प्रकार की सुरक्षा एवं क्षति की जिम्मेदारी आरोग्यम् प्रबंधन की नहीं होगी।

आरोग्यम् नगपुरा

प्रवेश संबंधी नियमावली

1. भर्ती से पहले परामर्श लेना आवश्यक है। आरोग्यम् में उपचार लेने के लिए 0788-2621209, 8839328101 पर कार्यालय में फोन करके परामर्श तारीख प्राप्त करना होगा और दी गयी तारीख पर ही आना होगा। फोन करने का समय 9.30 से 11.30 बजे, दोप.2.30 से 4.30 बजे तक। फोन पर केवल परामर्श के लिए समय बुकिंग किया जा सकेगा अन्य चर्चा नहीं करें। बिना तारीख तय किये आने पर परामर्श और प्रवेश नहीं दिया जावेगा।
2. तारीख दिए जाने पर 2 दिन के भीतर ही परामर्श बुकिंग शुल्क 200/- आरोग्यम् के बैंक खाते में जमा करवाकर उसकी बैंक पावती परामर्श हेतु आते समय इसको साथ लाने से ही परामर्श उपलब्ध हो सकेगा। दी गई तारीख पर नहीं आने से परामर्श बुकिंग शुल्क की राशि यह अगली तारीख में समायोजित नहीं की जाएगी।
3. परामर्श हेतु आने का तात्पर्य यह नहीं है कि आपको उपचार के लिए भर्ती किया ही जायेगा या उपचार शुरु कर ही दिया जायेगा।
4. चिकित्सक की अनुशंसा पर ही आपको भर्ती किया जा सकेगा। यदि आपकी शारीरिक, मानसिक, चिकित्सकीय स्थिति अनुकूल नहीं पायी जाती है, चिकित्सक आपको तत्काल भर्ती करने के पक्ष में नहीं हैं या आपका उपचार कर पाने में असमर्थ हैं तो आपको भर्ती नहीं नहीं किया जायेगा। और यदि चिकित्सक आगे की तारीख देते हैं तो उसे अगली तारीख को आना होगा।
5. परामर्श हेतु आते समय अपनी सारी मेडिकल रिपोर्ट, दवाइयाँ साथ लेकर आएं। चिकित्सक को अपनी सारी जानकारी सत्यरुप में देनी होगी।
6. आरोग्यम् में कम से कम 7 दिन अधिकतम 21 दिन के लिए ही प्रवेश दिया जायेगा। चिकित्सक की अनुशंसा पर ही समय बढ़ाया जावेगा।
7. एक बार उपचार हो जाने के तीन महीने बाद पुनः प्रवेश दिया जायेगा।
8. भर्ती के समय आवासीय प्रमाण पत्र (आधार कार्ड एवं पेन कार्ड) की सत्य प्रतिलिपि साथ जरुर रखें।
9. आरोग्यम् में मौजूद कमरे, उपचार के अनुरुप ही उपलब्धता हो सकेगी। जिसे भर्ती होने के पहले भलीभांति देख लें, समझ लें। बाद में कोई शिकायत मान्य नहीं होगी।
10. अत्यावश्यक होने से एक व्यक्ति के साथ एक ही अटेंडेंट सशुल्क रह सकते हैं। जिनके नियम और व्यवस्था अलग हैं। इसकी जानकारी कार्यालय से प्राप्त करें।
11. परामर्श का समय सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक और दोपहर 2.30 से शाम 4.30 बजे तक है। इसके पहले या बाद में आने पर परामर्श नहीं हो सकेगा और न ही आरोग्यम् परिसर में प्रवेश दिया जायेगा। परामर्श उपरान्त चिकित्सक की अनुशंसा पर ही आंतरिक उपचार के इच्छुक साधक को निर्धारित तिथि को ही सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आरोग्यम् में प्रवेश लेना होगा। शाम 4 बजे के बाद आरोग्यम् में प्रवेश नहीं दिया जावेगा।
12. आपको अपनी जवाबदारी एवं व्यवस्था से आना जाना होगा। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति के लिए आरोग्यम् प्रबंधन जवाबदार नहीं होगा।

डिस्क्लेमर

यहाँ किसी प्रकार की बिमारी को ठीक करने का दावा या वादा नहीं करते हैं। हर एक में एक समान परिणाम आये यह आवश्यक नहीं है। परिणाम व्यक्ति दर व्यक्ति अलग हो सकते हैं जो कि उनकी उम्र शारीरिक स्थिति, मेडिकल स्थिति पर निर्भर है।

आरोग्यम् बैंक खाता विवरण

SHRI LABDHI VIKRAM RAJ AAROGYAM SANSTHAN
Bank of Baroda, Account No.- 43420200000093
Branch - RASMADA, IFSC Code- BARB0RASMAD
(Fifth Character is Zero in IFSC Code)

आरोग्यम् सेवा का स्वर्णिम 50 वर्ष

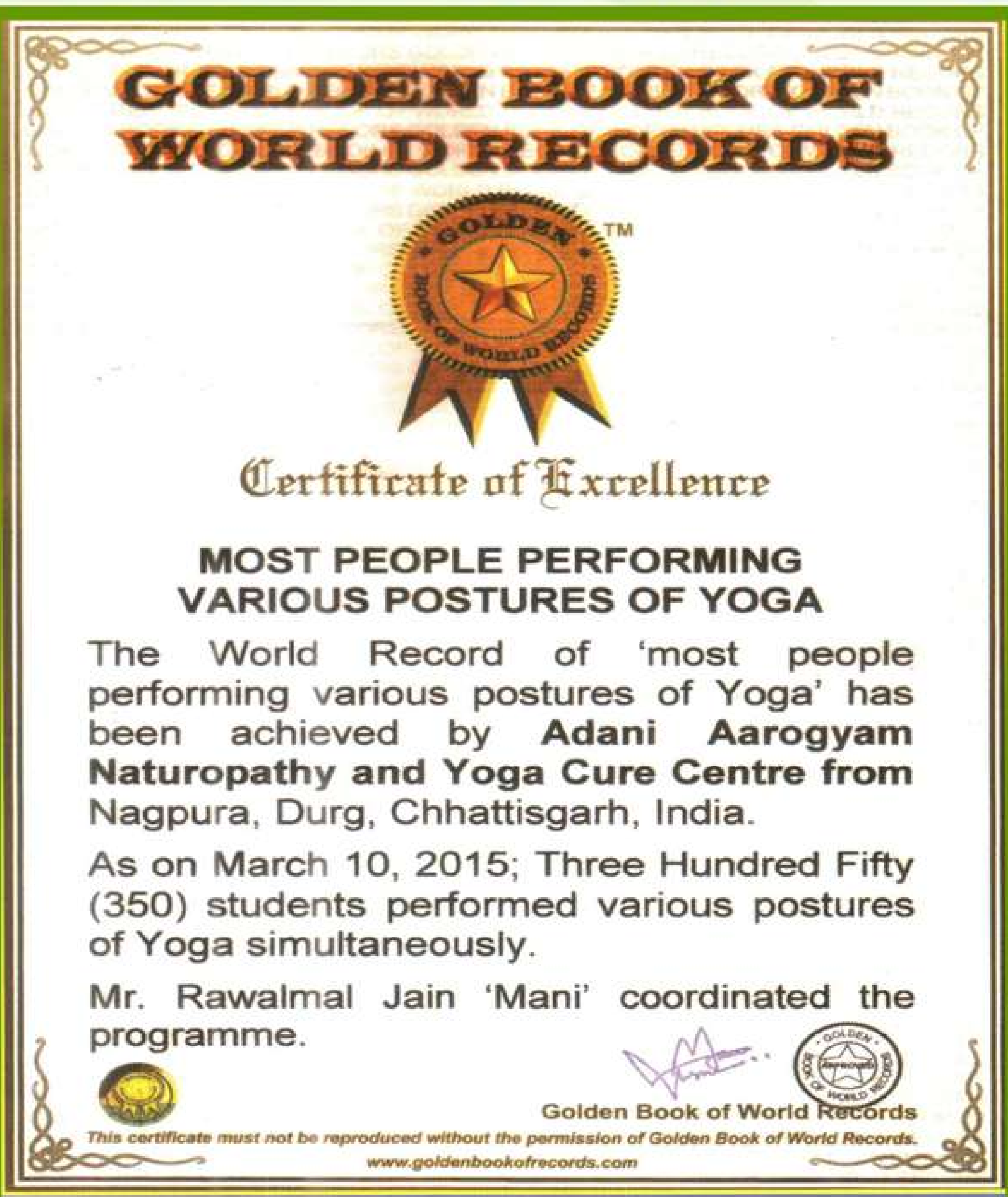

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

MOST PEOPLE PERFORMING VARIOUS POSTURES OF YOGA

The World Record of 'most people performing various postures of Yoga' has been achieved by **Adani Aarogyam Naturopathy and Yoga Cure Centre from** Nagpura, Durg, Chhattisgarh, India.

As on March 10, 2015; Three Hundred Fifty (350) students performed various postures of Yoga simultaneously.

Mr. Rawalmal Jain 'Mani' coordinated the programme.

Golden Book of World Records

This certificate must not be reproduced without the permission of Golden Book of World Records.

www.goldenbookofrecords.com

छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा राज्योत्सव 2007 में आरोग्यम् सम्मानित

नीचे दिये सभी रोगों में चिकित्सा उपलब्ध है

मेदस्विता मोटापा, डायबिटीज, डिप्रेशन, मानसिक तनाव, हृदय से संबधित बिमारियाँ, अस्थमा, ब्रोन्काईटिस, एलर्जी, गाठियावात, घुटनों का दर्द, गाउट वात रक्त स्पॉन्डीलॉयटिस, कमर दर्द, साइटिका, चर्मरोग। ऐसीडिटी, बदहजमी, पेप्टीक अल्सर, अल्सरेटिव कोलाईटिस, स्त्री के मासिक धर्म से संबंधित समस्या, किडनी से संबंधित बिमारियाँ, सिर दर्द, माइग्रेन, अनिद्रा।

ज्ञान तंतु से संबंधित बिमारियाँ जैसे-पार्कीन्सन, पैरालिसिस, आल्जायमर्स और चलने फिरने की बिमारियाँ।

पंचकर्म उपचार एवं शुल्क

उपचार	1 दिन	7 दिन	उपचार	1 दिन	7 दिन
शिरोधारा (पु.)	1050	7350	शष्ठि शालिक पिण्ड स्वेद	1600	11200
शिरोधारा (म.)	1260	8820	शिरोपिच्छु	350	2450
शिरोधारा काढा	750	5250	कटिपिच्छु	350	2450
उदवर्तन	1260	8820	ग्रीवापिच्छु	350	2450
सर्वांग अभ्यंग	1050	7350	रीढ पिच्छु	850	5950
एकांग अभ्यंग	350	2450	तक्रधारा	750	5250
अर्धांग अभ्यंग	700	4900	आयुर्वेद फेसियल	500	
अभ्यंग स्वेद	1260	8820	हेयर पैक	350	
नस्य	250	1750	फ्रूट फेसियल	400	
कटिवस्ति	850	5950			
पृष्टवस्ति	1260	8820			
मान्य (ग्रीवा) वस्ति	850	5950			
अक्षितर्पण	550	3850			

धर्मनिष्ठ श्रीमती शांताबेन शांतिलाल अदाणी प्रणित

आरोग्यम्

प्राकृतिक एवं योग चिकित्सालय, नगपुरा-दुर्ग (छ.ग.)

प्राकृतिक चिकित्सा आंतरिक साधक शुल्क

सत्र् 2022-23

पंजीयन शुल्क
200/- रु.

परामर्श शुल्क
200/- रु.

अतिरिक्त साधना शुल्क

* साल्ट ग्लो मसाज शुल्क रु.- 800/-
* फिजियोथेरेपी पर टाईम शुल्क रु.-200/-
* पंचकर्म उपचार का शुल्क चिकित्सा अनुसार देय होगा

भर्ती होने वाले साधक का प्रतिबेड शुल्क निम्नानुसार है।

दिन	III+IV बेड सामान्य रुम	II बेड सामान्य रुम	I बेड सामान्य रुम	III+IV बेड ए.सी.रुम	II बेड ए.सी.रुम	I बेड ए.सी. रुम
1 दिन	1193 रु. उपचार,भोजन आवास	1407 रु. उपचार,भोजन आवास	1943 रु. उपचार,भोजन आवास	1629 रु. उपचार,भोजन आवास	1893 रु. उपचार,भोजन आवास	2393 रु. उपचार,भोजन आवास
7 दिन	8350 रु. उपचार,भोजन आवास	9850 रु. उपचार,भोजन आवास	13600 रु. उपचार,भोजन आवास	11400 रु. उपचार,भोजन आवास	13250 रु. उपचार,भोजन आवास	16750 रु. उपचार,भोजन आवास
15 दिन	17495 रु. उपचार,भोजन आवास	21105 रु. उपचार,भोजन आवास	29145 रु. उपचार,भोजन आवास	24435 रु. उपचार,भोजन आवास	28395 रु. उपचार,भोजन आवास	35895 रु. उपचार,भोजन आवास
सिर्फ सहयोगी के लिये	अतिरिक्त बेड शुल्क 250 रु.	अतिरिक्त बेड शुल्क 300 रु.	अतिरिक्त बेड शुल्क 350 रु.	1 बेड फ्री अतिरिक्त बेड शुल्क 300 रु.	1 बेड फ्री अतिरिक्त बेड शुल्क 350 रु.	1 बेड फ्री अतिरिक्त बेड शुल्क 400 रु.